बिहार विधान परिषद्

186वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 2

31 श्रावण, 1939 (श.)

मंगलवार, तिथि ----------

22 अगस्त, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 14

1.	ऊर्जा विभाग	....	....	02
2.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	10
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	02

			कुल योग –	**14**

संग्रहालय की बिजली वायरिंग में बदलाव

* 1. **श्री दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा स्थित महाराजा लक्ष्मेश्वर सिंह संग्रहालय की बिजली वायरिंग अत्यंत जर्जर हो गई है जिसके कारण आग लगने की स्थिति कभी भी उत्पन्न हो सकती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार विशेष योजना तैयार कर उक्त संग्रहालय की बिजली वायरिंग बदलवाना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

प्रतीक्षालय का निर्माण

* 2. **डॉ. संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के बीचोबीच न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल में मरीजों एवं उनके सहायकों के लिए बैठने/प्रतीक्षालयों का निर्माण नहीं किया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल में मरीजों तथा उनके सहायकों के लिए प्रतीक्षालय का निर्माण शीघ्र कराना चाहती है, नहीं तो क्यों?

विशेषज्ञ चिकित्सक का पदस्थापन

* 3. **श्री चन्देश्वर प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दिल के रोग से ग्रसित रोगियों को तुरंत इलाज की आवश्यकता होती है;

(ख) क्या यह सही है कि दिल के रोग से ग्रसित रोगियों को दूर-दराज इलाकों से पी.एम.सी.एच., पटना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना आने के क्रम में ही उनकी मृत्यु हो जाती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हृदय रोग से ग्रसित रोगियों के समुचित इलाज हेतु राज्य के प्रत्येक जिला में हृदय रोगियों के लिए एक यूनिट की व्यवस्था करते हुए हृदय रोगी विशेषज्ञ चिकित्सक पदस्थापित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

नियुक्ति कबतक

***** 4. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत सिविल सर्जन, सारण के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों को मुख्यालय में अवैध तरीके से प्रतिनियुक्ति पर रखा गया है;

(ख) क्या यह सही है कि मुख्यालयों में स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टरों को प्रतिनियुक्ति पर रखने के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टरों की कमी है जिसका प्रतिकूल असर वहां की ग्रामीण जनता पर पड़ रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि आये दिन गरीब ग्रामीण जनता चिकित्सा के अभाव में दर-दर की ठोकर खा रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अतिशीघ्र प्रतिनियुक्ति को रद्द कर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टरों की नियुक्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सृजित पद एवं दवा की उपलब्धता कबतक

***** 5. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बक्सर और भोजपुर जिला में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य और उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं;

(ख) क्या यह सही है कि भोजपुर और बक्सर जिलों में कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त केन्द्र पर स्वीकृत पद के अनुसार कई जगह चिकित्सक, नर्स और कर्मचारी नहीं हैं, जिसके कारण ग्रामीण जनता को काफी कठिनाई उठानी पड़ रही है और मानक के अनुसार उक्त केन्द्रों पर मरीजों को दवा भी नहीं मिल रही है। साथ ही, चिकित्सक और कर्मचारी रात्रि को नहीं रहते हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक सभी केन्द्रों पर चिकित्सा पदाधिकारी, नर्स, कर्मचारी सृजित पद के अनुसार रखना चाहती है और मानक अनुसार दवा उपलब्ध कराना चाहती है?

स्वास्थ्य केन्द्र कबतक

***** 6. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत नौबतपुर प्रखंड के अजवां ग्राम में सन 2000 में जवाहर रोजगार योजना के संसाधन से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जर्जर स्थिति में पहुंच गया है परन्तु 16 वर्ष बीतने के बाद भी स्वास्थ्य केन्द्र चालू नहीं कराया जा सका है;

(ग) क्या यह सही है कि गरीब एवं लाचार व्यक्तियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नहीं रहने के कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पटना जिला के नौबतपुर प्रखंड के अजवां ग्राम में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की मरम्मति कराते हुए शीघ्र स्वास्थ्य केन्द्र को चालू करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

दोषी पर कार्रवाई

***** 7. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड के अधीनस्थ पेसू, पटना में प्रधान लिपिक और पत्राचार लिपिक सामान्य प्रशासन संवर्ग का पद है;

(ख) क्या यह सही है कि पेसू के अधीन 11 (ग्यारह) विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के बिजली बिल कलेक्शन काउंटर पर प्रधान लिपिक और पत्राचार लिपिक से निम्न अर्थात (Nature of Job) के विपरीत बिल कलेक्शन का कार्य करवाया जा रहा है जिसके कारण अक्सर गड़बड़ी होती है और कर्मियों को जनता का आक्रोश झेलना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि बिजली बिल कलेक्शन करने का कार्य लेखा संवर्ग के कर्मी का है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार लेखा संवर्ग के कर्मियों से बिल कलेक्शन का कार्य कराने का आदेश देना चाहती है तथा किस पदाधिकारी के आदेश से चतुर्थवर्गीय कर्मी प्रधान लिपिक व पत्राचार लिपिक से नियम के विपरीत बिजली बिल कलेक्शन का कार्य लिया जा रहा है, कंपनी के उस पदाधिकारी का नाम क्या है तथा सरकार उसपर क्या कार्रवाई करेगी, यदि नहीं तो क्यों ?

घर-घर पानी की आपूर्ति

***** 8. **श्री केदार नाथ पांडेय** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिम चंपारण जिले के साठी में पानी टंकी का निर्माण कर दिया गया है। आसपास के गांवों में पाइप भी बिछा दिया गया है, लेकिन अभी तक पानी की आपूर्ति नहीं की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि पश्चिम चंपारण जिले के सरिसवा, नवतन और गोबरउरा (लौरिया) में पानी टंकी लगा दी गई है, लेकिन न तो पाइप बिछाने का काम किया गया है और न ही पानी की आपूर्ति की जा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी की साठी, सरिसवा, नवतन और गोबरउरा के निकटवर्ती गांवों में पाइप बिछाकर मुख्यमंत्री के सात निश्चय योजना के अंतर्गत घर-घर पानी की आपूर्ति कबतक सुनिश्चित करना चाहती है?

दंत विभाग का उन्नयन

***** 9. **श्री शिव प्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि थी इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान शेखुपरा, पटना की स्थापना सन 1983 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की तरह की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि है इस संस्थान की स्थापना का उद्देश्य बिहार के लोगों को उत्तम चिकित्सा सुविधा देना था और अभी यह संस्थान प्रतिदिन नवीनतम निर्माण नहीं दे रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि इस संस्थान का दन्त चिकित्सा विभाग अभी भी बहुत पिछड़ा हुआ है, क्या सरकार यहां भी एम्स, नई दिल्ली सेन्टर फार डेन्टल एजुकेशन एवं रिसर्च की तरह कोई दन्त चिकित्सा प्रारंभ करने का विचार रखती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार दन्त विभाग के उन्नयन के लिए कबतक आवश्यक साधन मुहैया कराना चाहती है ?

एक्स-रे मशीन कबतक

***** 10. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला सदर अस्पताल स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र में 90 प्रतिशत डाक्टर कार्य में नहीं रहते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि है साप्ताहिक अनुसार रोस्टर डयूटी में एक दिन के अलावा महीनों-महीनों दिन तक नहीं आते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि सरकारी अस्पताल में डाक्टर नहीं आने से तथा दवा नहीं मिलने से निजी डाक्टरों द्वारा गरीब जनता का आर्थिक दोहन किया जा रहा है ;

(घ) क्या यह सही है कि औरंगाबाद सदर अस्पताल में एक्स-रे मशीन वर्षों से खराब है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार औरंगाबाद जिला के सभी अस्पतालों में रोस्टर अनुसार कार्य पर डाक्टर की उपस्थिति, दवा की समुचित व्यवस्था एवं एक्स-रे मशीन को कबतक ठीक कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

त्वरित कार्रवाई

***** 11. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि है जून माह, 2017 में राज्य औषधि नियंत्रण की टीम ने पी.एम.सी.एच. के टाटा वार्ड में निरीक्षण के दौरान मेरोपेनम नामक दवा स्टाक में 300 से अधिक वायल बरामद किया था जबकि रजिस्टर में 172 वायल ही दर्ज था, जिसके कारण मरीजों को दवा नहीं दी जाती थी और उसे जमा करके बाजार में पहुंचा दिया जाता था ;

(ख) क्या यह सही है कि पी.एम.सी.एच. के टाटा वार्ड के स्टॉक में अधिक और रजिस्टर में कम दवा दिखाने के मामले में सिर्फ सिस्टर इंचार्ज वीणा देवी को संस्पेंड कर दिया है, जबकि इस धांधली में और कर्मी भी शामिल हैं, लेकिन अन्य संलिप्त कर्मियों पर कार्रवाई नहीं की गई ;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पी.एम.सी.एच. में दवा घोटाले की उच्चस्तरीय जांच कराने एवं सभी संलिप्त कर्मियों/लोगों पर त्वरित कार्रवाई करने का विचार रखती है ताकि दवा धांधली की पुनरावृत्ति न हो, यदि नहीं तो क्यों ?

इंस्टीच्यूट कबतक

***** 12. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि है आज के युग में कैंसर एक गंभीर बीमारी के रूप में उभरा है ;

(ख) क्या यह सही है कि है सरकारी क्षेत्र में कैंसर चिकित्सा की सुविधा एकमात्र आई. जी. आई. एम. एस. में उपलब्ध है;

(ग) क्या यह सही है कि है प्रतिदिन पांच सौ मरीज कैंसर संस्थान में चिकित्सार्थ पहुंचते हैं जिनकी समुचित चिकित्सा के लिए आई.जी.आई.एम.एस. में व्यवस्था पूरी नहीं है;

(घ) क्या यह सही है कि है केन्द्र सरकार ने कैंसर के ईलाज हेतु आई.जी.आई.एम.एस. की योजना बनाने के लिए और इसे कैंसर इंस्टीच्यूट के रूप में विकसित करने के लिए राशि उपलब्ध कराया है;

(ड़) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार इसे स्वतंत्र कैंसर इंस्टीच्यूट के रूप में विकसित करने की योजना को कबतक कार्यरूप में परिणत करना चाहती है?

चापाकल चालू कब से

***** 13. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि है औरंगाबाद जिला पहाड़ी क्षेत्र के प्रखंड मदनपुर, देव सहित अन्य प्रखंडों में 70 प्रतिशत से ज्यादा चापाकल खराब पड़े हुए हैं;

(ख) क्या यह सही है कि है चापाकल खराब होने से वहां के बसे गांवों की जनता को भीषण गर्मी में पानी की गंभीर समस्या से जूझना पड़ रहा है एवं वर्षों से विभाग द्वारा भीषण गर्मी से पूर्व पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार औरंगाबाद जिले में बंद पड़े चापाकल को कबतक चालू करवाना चाहती है?

संलिप्त कर्मियों पर कार्रवाई

***** 14. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि है स्वास्थ्य विभाग के आयुष प्रक्षेत्र में केन्द्रीय योजनाओं के तहत लगभग 44 करोड़ रुपये अनुपयोगी पड़े हुए हैं;

(ख) क्या यह सही है कि है 10.80 करोड़ रुपये लगभग 10 वर्षों से एवं 22.00 करोड़ रुपये 2 वर्षों से आयुष औषधियों के क्रय हेतु राशि अनुपयोगी रूप से पड़ी है और अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सदर अस्पतालों में आयुष दवा का वितरण शून्य है;

(ग) क्या यह सही है कि है राज्य के गरीब रोगियों के लिए सरकार प्रति वर्ष दवा मद में करोड़ों रुपये देती है परन्तु रोगियों को आयुष की दवा नहीं पहुंच रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार आयुष की दवा कबतक क्रय करेगी और केन्द्रों तक कब पहुंचाएगी, किन कर्मचारियों/पदाधिकारियों के कारण राशि व्यय नहीं हुई, सरकार संलिप्त कर्मियों पर कार्रवाई कबतक करेगी?

पटना
दिनांक 22 अगस्त, 2017 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्